



राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान, कांगड़ा
डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर जयंती

दिनांक 14 अप्रैल 2017
को आयोजित 126वीं जयंती



कार्यवाही रिपोर्ट



20वीं शताब्दी के श्रेष्ठ चिन्तक, ओजस्वी लेखक, तथा यशस्वी वक्ता एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री डॉ. भीमराव आंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माणकर्ता हैं। विधि विशेषज्ञ, अथक परिश्रमी एवं उत्कृष्ट कौशल के धनी व उदारवादी, परन्तु सुदृढ़ व्यक्ति के रूप में डॉ. आंबेडकर ने संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. आंबेडकर को भारतीय संविधान का जनक भी माना जाता है।

छुआ-छूत का प्रभाव जब सारे देश में फैला हुआ था, उसी दौरान 14 अप्रैल, 1891 को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का जन्म हुआ था। बचपन से ही बाबा साहेब ने छुआ-छूत की पीड़ा महसूस की थी। जाति के कारण उन्हें संस्कृत भाषा पढ़ने से वंचित रहना पड़ा था। कहते हैं, जहाँ चाह है वहाँ राह है। प्रगतिशील विचारक एवं पूर्णरूप से मानवतावादी बडौदा के महाराज सयाजी गायकवाड़ ने भीमराव जी को उच्च शिक्षा हेतु तीन साल तक छात्रवृत्ति प्रदान की, किन्तु उनकी शर्त थी की अमेरिका से वापस आने पर दस वर्ष तक बडौदा राज्य की सेवा करनी होगी। भीमराव ने कोलम्बिया विश्वविद्यालय से पहले एम. ए. तथा बाद में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की।

उनके शोध का विषय “भारत का राष्ट्रीय लाभ” था। इस शोध के कारण उनकी बहुत प्रशंसा हुई। उनकी छात्रवृत्ति एक वर्ष के लिये और बढ़ा दी गई। चार वर्ष पूर्ण होने पर जब भारत वापस आये तो बडौदा में उन्हें उच्च पद दिया गया किन्तु कुछ सामाजिक विडम्बना की वजह से एवं आवासिय समस्या के कारण उन्हें नौकरी छोड़कर बम्बई जाना पड़ा। बम्बई में सीडेनहम कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर नियुक्त हुए किन्तु कुछ संकीर्ण विचारधारा के कारण वहाँ भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इन सबके बावजूद आत्मबल के धनी भीमराव आगे बढ़ते रहे। उनका दृढ़ विश्वास था कि मन के हारे, हार है, मन के जीते जीत। 1919 में वे पुनः लंदन चले गये। अपने अथक परिश्रम से एम.एस.सी., डी.एस.सी. तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर भारत लौटे।

1923 में बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की अनेक कठनाईयों के बावजूद अपने कार्य में निरंतर आगे बढ़ते रहे। एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फांसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। इसके पश्चात बाबा साहेब की प्रसिद्धि में चार चाँद लग गया।

डॉ. आंबेडकर की लोकतंत्र में गहरी आस्था थी। वह इसे मानव की एक पद्धति (Way of Life) मानते थे। उनकी दृष्टि में राज्य एक मानव निर्मित संस्था है। इसका सबसे बड़ा कार्य “समाज की आन्तरिक अव्यवस्था और बाह्य अतिक्रमण से रक्षा करना है।” परन्तु वे राज्य को निरपेक्ष शक्ति नहीं मानते थे। उनके अनुसार- “किसी भी राज्य ने एक ऐसे अकेले समाज का रूप धारण नहीं किया जिसमें सब कुछ आ जाय या राज्य ही प्रत्येक विचार एवं क्रिया का स्रोत हो।”



अनेक कष्टों को सहन करते हुए, अपने कठिन संघर्ष और कठोर परिश्रम से उन्होंने प्रगति की ऊंचाइयों को स्पर्श किया था। अपने गुणों के कारण ही संविधान रचना में, संविधान सभा द्वारा गठित सभी समितियों में 29 अगस्त, 1947 को “प्रारूप-समिति” जो कि सर्वाधिक महत्वपूर्ण समिति थी, उसके अध्यक्ष पद के लिये बाबा साहेब को चुना गया। प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. आंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। संविधान सभा में सदस्यों द्वारा उठायी गयी आपत्तियों, शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का निराकरण उनके द्वारा बड़ी ही कुशलता से किया गया। उनके व्यक्तित्व और चिन्तन का संविधान के स्वरूप पर गहरा प्रभाव पड़ा। उनके प्रभाव के कारण ही संविधान में समाज के पद-दलित वर्गों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के उत्थान के लिये विभिन्न संवैधानिक व्यवस्थाओं और प्रावधानों का निरूपण किया ; परिणाम स्वरूप भारतीय संविधान सामाजिक न्याय का एक महान दस्तावेज बन गया।

1948 में बाबा साहेब मधुमेह से पीड़ित हो गए । जून से अक्टूबर 1954 तक वो बहुत बीमार रहे इस दौरान वो नैदानिक अवसाद और कमजोर होती दृष्टि से भी ग्रस्त रहे । अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध और उनके धम्म को पूरा करने के तीन दिन के बाद 6 दिसंबर 1956 को अम्बेडकर इह लोक त्यागकर परलोक सिंधार गये। 7 दिसंबर को बौद्ध शैली के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया जिसमें सैकड़ों हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। भारत रत्न से अलंकृत डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अथक योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता , धन्य है वो भारत भूमि जिसने ऐसे महान सपूत को जन्म दिया ।

बबा साहेब को और उनके कार्यों को भारत सदा याद रखेगा। पूरे भारत में डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर जी की पुण्य जयंती को एक राष्ट्रीय दिवस के रूप में अयोजित किया गया। इस अवसर पर निफ्ट कांगड़ा में भी जयंती को आयोजित किया गया। कार्यक्रमों का विवरण आगे के पृष्ठों पर दिया गया है।

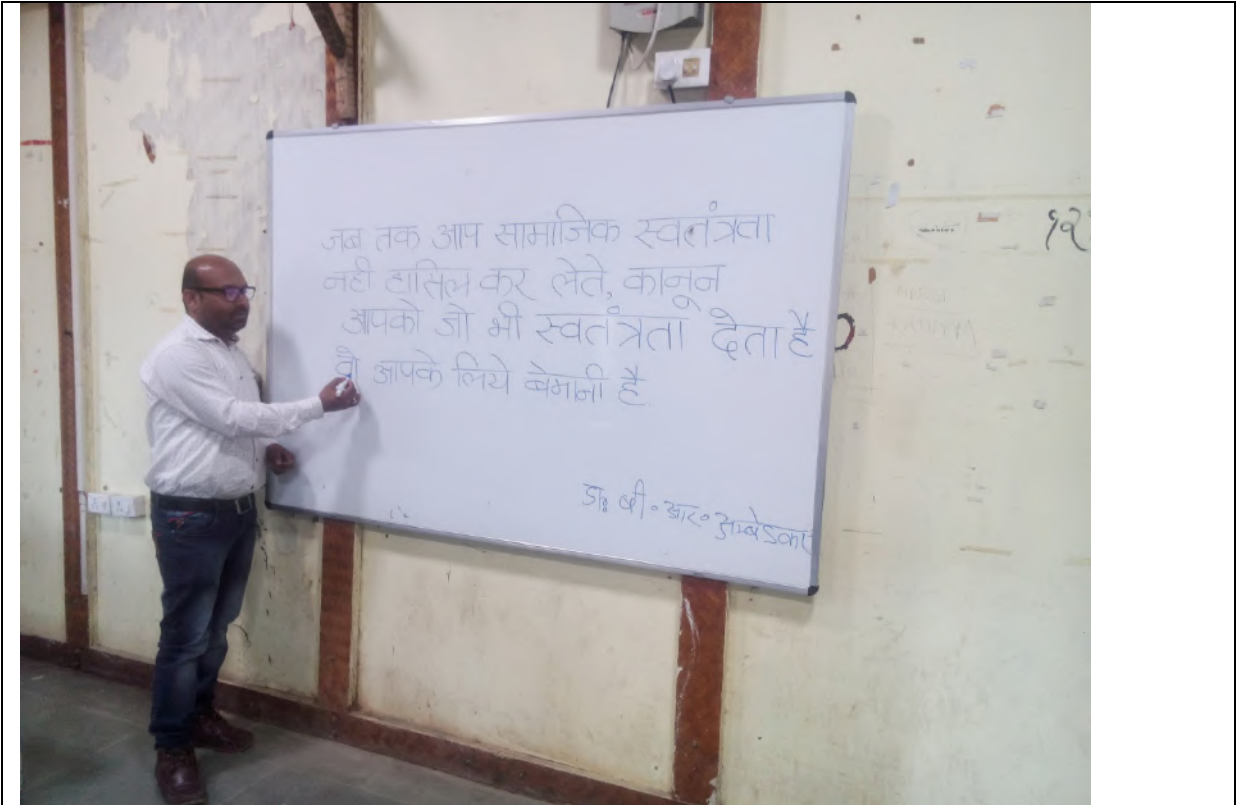


1. आदर्श वाक्य लेखन कार्यक्रम:

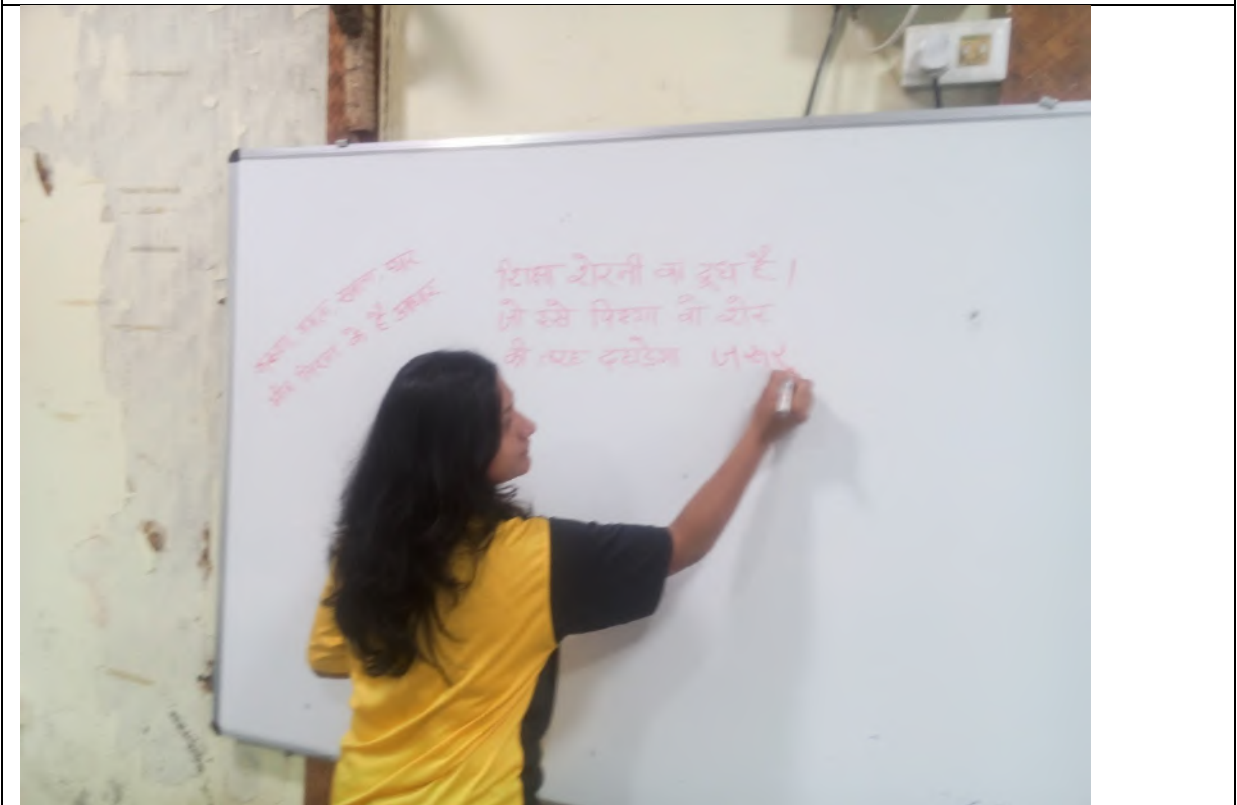
जयंती के अवसर पर कई कर्मचारियों ने सफेद बोर्ड पर डॉ० भीम राव अंबेडकर से सम्बंधित आदर्श वाक्य लिख कर सभी के लिए अपना संदेश व भावनाएं प्रकट की जिसकी कुछ तस्वीरे नीचे दी गई है



चित्र संख्या 01: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते प्राध्यापक



चित्र संख्या 02: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते प्राध्यापक



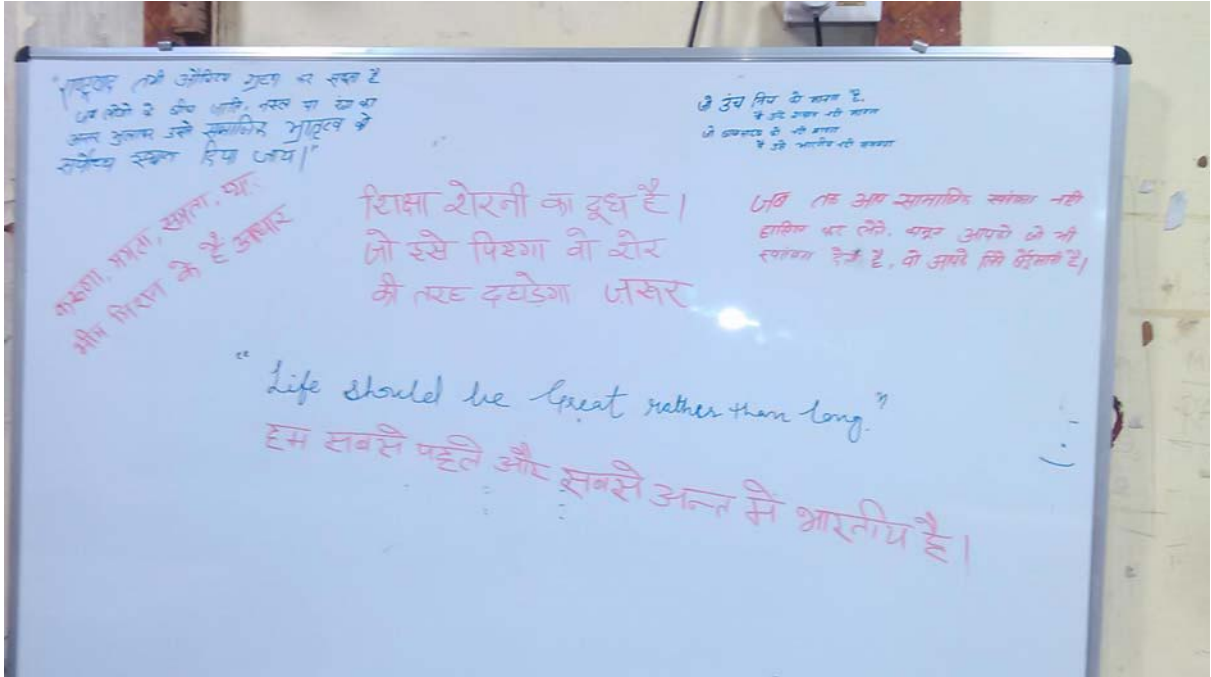
चित्र संख्या 03: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते कर्मचारी



चित्र संख्या 04: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते कर्मचारी



चित्र संख्या 05: बोर्ड पर आदर्श वाक्य लिखते कर्मचारी



चित्र संख्या 05: बोर्ड पर कर्मचारियों द्वारा लिखित आदर्श वाक्य



2. जयंती के अवसर पर कैपस निदेशक की अध्यक्षता में बैठक:

दिनांक 14.04.2017 को सांय काल के समय कैपस निदेशक प्रो० एस. के. बाला सिद्धार्था की अध्यक्षता में प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में डॉ. दीपक जोशी जी ने बाबा साहेब के जीवन से जुड़े तथ्यों के बारे सभी को जानकारीयां दी।

कैपस निदेशक प्रो० एस. के. बाला सिद्धार्था जी ने सभी को सम्बोधित करते हुए अपने विचार प्रकट किए और विद्यार्थियों को बाबा साहेब के बारे कई राचक तथ्य विद्यार्थियों को बताया। इसके अतिरिक्त निदेशक महोदय ने विद्यार्थियों को बाबा साहेब के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश भी विद्यार्थियों को दिया और बताया कि किस प्रकार बाबा साहेब ने कठिन परिस्थितियों में भी साहस का साथ न छोड कर सफलता हासिल की।

इस अवसर पर कैपस की छात्रा इष्नीता ने भी बाबा साहेब के जीवन से जुड़े कई तथ्यों पर अपने विचार रखे।

आयोजित बैठक की कुछ तस्वीरे नीचे दी गई है



चित्र संख्या 06: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक



चित्र संख्या 07: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक



चित्र संख्या 08: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक



चित्र संख्या 09: बैठक के दौरान अपने विचार रखते डॉ. दीपक जोशी, प्राध्यापक



चित्र संख्या 10: बैठक के दौरान अपने विचारों से सभी को सम्बोधित करती छात्रा इशिता पात्रा



चित्र संख्या 11: बैठक के दौरान अपने विचारों से सभी को सम्बोधित करती छात्रा इशिता पात्रा



चित्र संख्या 12: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैपस निदेशक



चित्र संख्या 13: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैपस निदेशक



चित्र संख्या 14: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैपस निदेशक



चित्र संख्या 15: बैठक के दौरान अपने विचार रखते कैपस निदेशक



चित्र संख्या 16: बैठक में भाग लेते निदेशक महोदय, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र



3. नई प्रारम्भ हुई भीम एप्प प्रचार/सूचना :

जयंती के अवसर पर डॉ० दीपक जोशी जी ने अभी नई प्रारम्भ हुई नई भीम एप्प की जानकारी बैठक में आए सभी लोगो को दी तथा उसे चलाने व उसे मोबाइल में डाउनलोड करने के बारे में भी सभी को बताया।

इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने उसी समय भीम एप्प को डाउनलोड किया और जोशी जी ने उसे ठीक प्रकार से एप्प को इस्तेमाल करने की जानकारी सभी को दी जिसकी कुछ तस्वीरे नीचे दी गई है



चित्र संख्या 17: भीम एप्प की जानकारी देते डॉ० दीपक जोशी

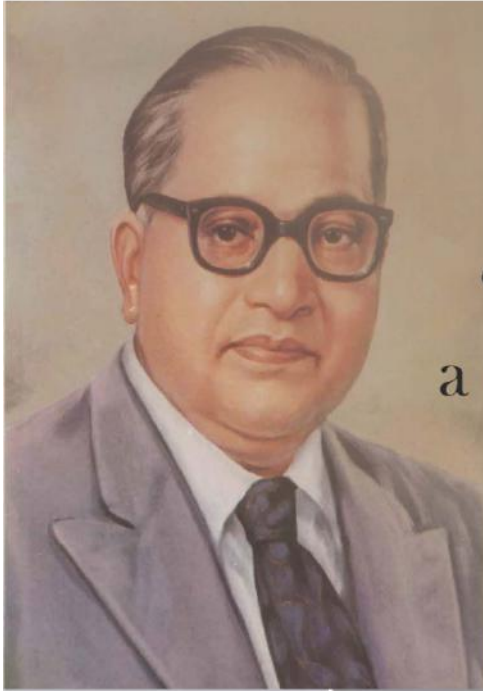


चित्र संख्या 18: भीम एण्प की जानकारी देते डॉ0 दीपक जोशी

डॉ0 भीमराव रामाजी अम्बेडकर जयंती के अवसर पर निफ्ट में कुछ पोस्टर भी बनाए गए जिनकी छायाप्रति अगले पृष्ठों पर दिए गए हैं



NIFT KANGRA WELCOMES YOU
To The Celebration of
Dr. Bheemrao Ambedkar Jayanti



On 14th April
2017

“I Measure the progress of a community by the degree of progress which women have achieved.”

National Institute of Fashion Technology Kangra



NIFT KANGRA WELCOMES YOU
To The Celebration of
Dr. Bheemrao Ambedkar Jayanti
On 14th April 2017

“I like the Religion That Teaches Liberty, Equality and Fraternity.”



National Institute of Fashion Technology Kangra

चित्र संख्या 19-20: डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर



Celebration of
Dr. B. R. Ambedkar Jayanti

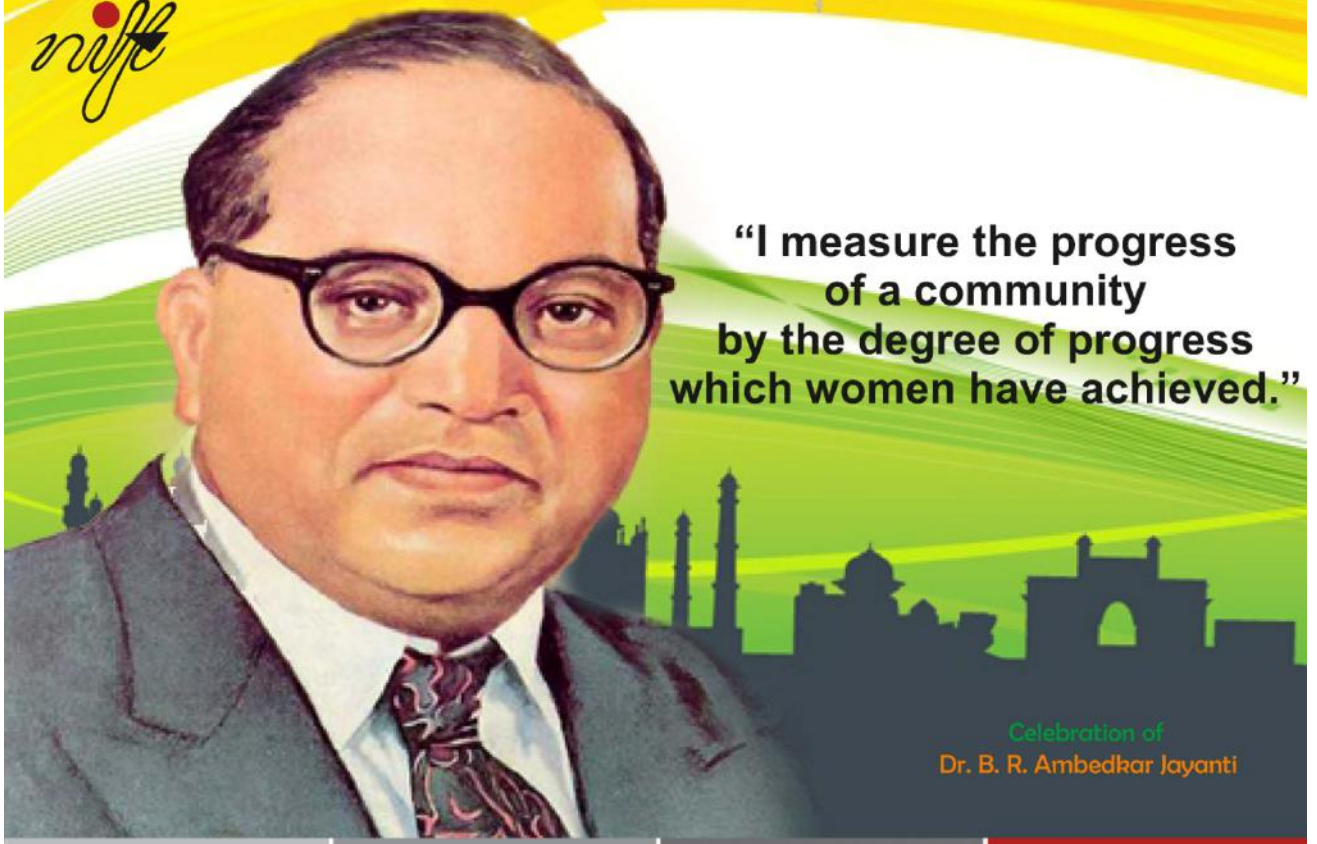
14th April

2017

“
GREAT MAN IS DIFFERENT
FROM AN EMINENT ONE
THAT HE IS READY TO BE
THE SERVANT
OF THE SOCIETY.”



National Institute of Fashion Technology Kangra



“I measure the progress
of a community
by the degree of progress
which women have achieved.”

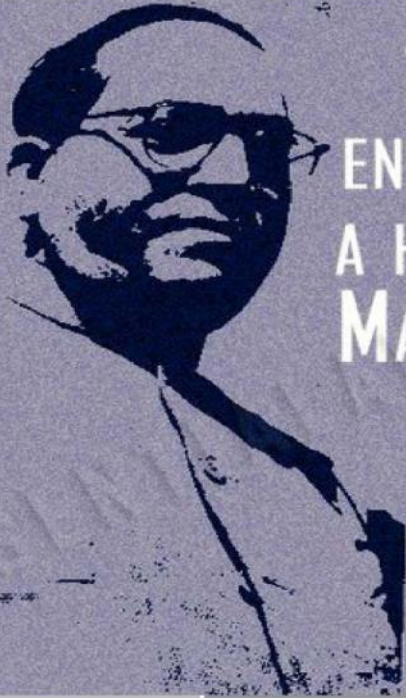
Celebration of
Dr. B. R. Ambedkar Jayanti

National Institute of Fashion Technology Kangra

चित्र संख्या 21-22: डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

nift

14
April
2
0
1
7



" FOR INSPIRATION AND
ENTHUSIASM ONE MUST HAVE
A HEALTHY AND SOUND MIND.
MAN DERIVES INSPIRATION IF
HIS MIND IS FREE TO
DEVELOP."

Celebration of
Dr. B. R. Ambedkar Jayanti

National Institute of Fashion Technology Kangra

nift

14th April
2
0
1
7



*"Law and order are the
medicine of the body
politic and when the
body politic gets stick,
medicine must be
administered."*

Celebration of
Dr. B. R. Ambedkar Jayanti

National Institute of Fashion Technology Kangra

चित्र संख्या 23-24: डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

nift

Celebration of
Dr. B. R. Ambedkar Jayanti

14th April
2017



*For a successful revolution it is not enough that there is discontent.
What is required is a profound and thorough conviction of the justice,
necessity and importance of political and social rights.*

National Institute of Fashion Technology Kangra

nift

Celebration of
Dr. B. R. Ambedkar Jayanti

14th April
2017



“Life should be
GREAT rather
than **LONG.**”

National Institute of Fashion Technology Kangra

चित्र संख्या 25-26: डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी के पोस्टर एवं बैनर

छात्र विकास गतिविधि सेल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट

राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान

निफ्ट कैम्पस, छेब, कांगडा हिमाचल प्रदेश-176001

फोन नः01892-263872 फैक्स नः 01892-260872

ई मेल: sdac.kangra@nift.ac.in